

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI  
THURSDAY, MAY 18, 2023

## Pooling Resources To Beat The Heat

### DDA, MCD And NDMC Make Swimming Facilities Available To The Public

Vibha.Sharma@timesgroup.com

**New Delhi:** What better than a dive into a swimming pool to beat the summer heat! With the temperatures firmly in the high 30s, low 40s, Delhi Development Authority, New Delhi Municipal Council and Municipal Corporation of Delhi are making their pools available to the people. The civic bodies are also assessing applications for no-objection certificates by private pool operators.

DDA runs 17 pools in the city, and of them 12 are already open for swimmers aged above five years. "There is a limit to how many people we can permit per batch," said a DDA official. "For an Olympic size pool (50m x 25m), 80 people are allowed in a batch. Such pools are at Sri Fort, Commonwealth Village and Yamuna Sports Complex. For a pool half that size, we allow only 40 people at a time."

The specially abled can use the DDA facility at the Vasant Kunj Sports Complex. "We have created ramps and installed other infrastructure to make it convenient for physically challenged people. Even a wheelchair-bound person can access the pool with ease," said the official.

Of the five pools not yet open, four at the Commonwealth Games Village, Paschim Vihar, Ashok Vihar and Chilla

## ALL SET TO TAKE THE PLUNGE

Photo: Anindya Chattopadhyay

### DDA

Total swimming pools

17

#### Operational

- All pools in sports complexes
- A disabled-friendly facility at Vasant Kunj Sports Complex also operational
- Four pools at Commonwealth Games Village, Paschim Vihar, Ashok Vihar and Chilla Sports Complex await NoCs and likely to become operational in a week
- Siri Fort Facility undergoing renovation, to become operational in July

### Things to know

- Max 80 people allowed in one session at Olympic-sized pools (25x50 metres)
- 40 allowed in small pools (12.5x25 metres)
- Can be used by all age groups after prior booking online
- Children above 5 years allowed with parental supervision



### MCD

Swimming pools

15

#### Operational

- These include pools at Sector 3, 14 in Rohini, Shalimar Bagh, Keshavpuram, Chandni Chowk, Pitampura, CP and Paschim Vihar

### NDMC

- 3 pools in its schools—Mandir Marg, Sarojini Nagar, Laxmi Bai Nagar
- Mornings reserved for NDMC students and evenings (4-8 pm) for those up to 18 years
- Most of these will remain operational till September

### All-weather pools

- DDA pool at Sri Fort, Commonwealth Village and Yamuna Sports Complex can be visited throughout year, except in Dec-Jan
- NDMC planning to turn the Mandir Marg facility into an all-weather pool

₹ 500  
fee per  
person; online  
booking

Sports Complex are awaiting a no-objection clearance from MCD while the fifth at Siri Fort is undergoing renovation and will be ready at July-end.

NDMC's three swimming pools are already open for students aged up to 18 years. The charges are around Rs 500 per person per month. "We run

the facilities from 6.30am to 10.30am and from 4pm to 8pm. The morning shift is for NDMC students, the evening one for outsiders," said

NDMC vice-chairman Satish Upadhyay. "One hour in the evening is meant exclusively for female members."

NDMC has also received applications for NOC from 35 places, including private sports complexes, hotels and schools, said Upadhyay.

MCD has 15 swimming pools, with 14 of them operational, including in sectors 3 and 14 in Rohini, Shalimar Bagh, Keshavpuram, Chandni Chowk, Pitampura, Connaught Place and Paschim Vihar. "We've been requested to provide NoC by some private operators and our officials are visiting the facilities to assess them," an MCD official said.

The seasonal swimming pools usually remain open till September and require fresh permission every year from various agencies, including MCD, NDMC, Sports Authority of India and Delhi Police. There are, however, all-weather pools that operate year-round. DDA has these at Siri Fort, Commonwealth Village and Yamuna Sports Complex, while NDMC plans to make the Mandir Marg Facility into an all-weather pool.

"For the operation of these pools, we have to follow strict guidelines such as maintaining the water temperature at 24-26 degree Celsius. Usually, these pools remain in disuse in December-January," said the DDA official.



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | गुरुवार, 18 मई 2023

DATED

## बेसमेंट में है जिम और फिटनेस सेंटर तो लेनी होगी फायर NOC

### डीडीए की पॉलिसी को अपनी पॉलिसी में शामिल करेगी MCD

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में नए खुले जिम व फिटनेस सेंटर को रेग्यूलराइज करने के लिए एमसीडी ने डीडीए की पॉलिसी को अपने हेल्थ ट्रेड लाइसेंस पॉलिसी में शामिल करने का प्लान बनाया है। एमसीडी पॉलिसी लागू होने के बाद नियमों का पालन न करने वाले जिम या फिटनेस सेंटर मालिक के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। एमसीडी जिम या फिटनेस सेंटर खोलने के लिए लाइसेंस तो जारी कर देता है, लेकिन उनकी जांच न के बराबर ही होती है। इस प्रस्ताव को सदन की अगली मीटिंग में रखा जाएगा।

एमसीडी अफसरों के अनुसार दिल्ली में खुले जिम या फिटनेस सेंटर को रेग्यूलराइज करने या उन्हें लाइसेंस देने के लिए डीडीए ने काफी पहले एक पॉलिसी बनाई थी। उस

पॉलिसी के मुताबिक अगस्त, 2008 से पहले खुले जिम या फिटनेस सेंटर ही वैध माने जाते थे। बाद में डीडीए ने कट ऑफ डेट अक्टूबर, 2019 तक बढ़ा दी। यानी 2019 तक दिल्ली में खुले जिम या फिटनेस सेंटर ही वैध माने जाएंगे। इसके बाद जो जिम या फिटनेस सेंटर खुले हैं, वे वैध नहीं हैं। उस दौरान डीडीए ने बेसमेंट में भी जिम खोलने की अनुमति दी थी, लेकिन शर्त यह थी कि बेसमेंट में खुले जिम या फिटनेस सेंटर ओनर्स को फायर एनओसी लेना होगा। एमसीडी जिम खोलने के लिए लाइसेंस तो दे देती है, लेकिन उनकी जांच कम ही होती है।

ऐसे में नियमों को कड़ाई से पालन कराने के लिए एमसीडी ने अब डीडीए की उस पॉलिसी को अपनी हेल्थ ट्रेड लाइसेंस पॉलिसी में शामिल करने का प्लान बनाया है। एमसीडी अफसरों का कहना है कि जिम या फिटनेस

### NBT नज़रिया

जिस तरह से आए दिन अग्निकांड हो रहे हैं, उन्हें देखते हुए सख्त मॉनिटरिंग जरूरी है। सिर्फ जिम, स्पा या फिटनेस सेंटर ही नहीं, प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम और स्कूलों की निगरानी भी जरूरी है। अगर इसलिए नियमावली में बदलाव करने की जरूरत हो तो करना चाहिए।

सेंटर खोलने की जो पॉलिसी है, उसमें तय नियमों का अगर कड़ाई से पालन कराया जाए, तो दिल्ली में आधे से अधिक जिम या फिटनेस सेंटर बंद हो सकते हैं। इसके अलावा बेसमेंट में खुले आधे से अधिक जिम या फिटनेस सेंटर वालों ने फायर एनओसी ही नहीं ली है।



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | गुरुवार, 18 मई 2023

DATE: **Hindustan Times**

## गंदे पानी की समस्या का अब किया जाएगा स्थायी समाधान: केजरीवाल

जल बोर्ड देगा प्लान, अफसरों को वजह पता लगाने को कहा गया

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

सीएम अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड एक प्लान देगी। जिन इलाकों में गंदे पानी की शिकायत आ रही है, उन्हें चिह्नित कर इसके कारणों का पता लगाने और इस समस्या को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पुराने हैं। यहां अमोनिया, नाइट्रेट या आयरन की वजह से गंदे पानी की समस्या है। इन जगहों पर पानी का इन सीटू ट्रीटमेंट किया जाएगा। जहां सीवर लाइन की वजह से गंदे पानी आ रहा है, वहां इन्हें डि-सिल्ट किया जाएगा। बुधवार को सीएम की उच्चस्तरीय इस बैठक में जल मंत्री सौरभ

भारद्वाज और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि चार जगहों पर फिल्टर अपडेट होना चाहिए। राजधानी में चार डब्ल्यूटीपी पुराने हैं। इनको आधुनिक किया जाएगा। अगर गंदगी की वजह अमोनिया है

तो इसे खत्म करने के प्रयास होंगे। अगर ट्यूबवेल से अमोनिया आ रहा है तो इसे भी खत्म किया जाएगा। अगर पानी में नाइट्रेट की शिकायत है तो नाइट्रेट रिमूवल सिस्टम लगाया जाएगा।

पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए सीएम ने कहा कि इसमें तेजी लानी होगी। ट्यूबवेल्स लगाने के लिए डीडीए से मिली



जहां सीवर लाइन की वजह से गंदे पानी आ रहा है, वहां इन्हें डि-सिल्ट किया जाएगा

जमीन देख ली गई है और 400 जगहों पर इसकी मंजूरी मिल गई है। अक्टूबर तक ट्यूबवेल्स लगाने का काम पूरा होने की उम्मीद है। जरूरत के अनुसार, आरओ प्लांट भी लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि

### पहली बार सभी ट्रंक लाइनों की होगी सफाई

राजधानी में पहली बार सभी ट्रंक सीवर लाइनों की सफाई होगी। दिल्ली के लोगों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से निजात दिलाने के लिए बुधवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जब से सीवर सिस्टम बना है, उसकी सफाई नहीं हुई है। इस काम को पांच चरणों में किया जाएगा। हर साल कम-से-कम 20 प्रतिशत सीवर लाइनों की सफाई जरूर की जाएगी। इससे पांच वर्षों में सभी सीवर लाइनें साफ हो जाएंगी।

सीएम ने सीवर से निकलने वाले कचरे को सही तरीके से निपटाने की व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं।

पहले चरण में लगने वाले 450 ट्यूबवेल्स से अगले छह महीने में 70 एमजीडी पानी मिलेगा। इसके बाद पानी की क्षमता बढ़कर 1060 एमजीडी हो जाएगी। उन्होंने पुराने ट्यूबवेलों को हाइड्रिक सिस्टम से लैस करने के निर्देश दिए। अमोनिया की समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने अमोनिया रिमूवल प्लांट को दो से ढाई महीने में शुरू करने के निर्देश दिए। अभी चार प्लांट काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें भी जल्द चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने डब्ल्यूटीपी के प्राइमरी और सेकंडरी यूज़ीआर पर फ्लोमीटर लगाने के निर्देश दिए हैं।

### पुराने ट्यूबवेलों को हाइड्रिक सिस्टम से लैस करने के निर्देश दिए

पहले चरण में लगने वाले 450 ट्यूबवेल्स से अगले छह महीने में 70 एमजीडी पानी मिलेगा। इसके बाद पानी की क्षमता बढ़कर 1060 एमजीडी हो जाएगी। उन्होंने पुराने ट्यूबवेलों को हाइड्रिक सिस्टम से लैस करने के निर्देश दिए। अमोनिया की समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने अमोनिया रिमूवल प्लांट को दो से ढाई महीने में शुरू करने के निर्देश दिए। अभी चार प्लांट काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें भी जल्द चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने डब्ल्यूटीपी के प्राइमरी और सेकंडरी यूज़ीआर पर फ्लोमीटर लगाने के निर्देश दिए हैं।

## CM to DJB: Check on contamination

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** Chief minister Arvind Kejriwal on Wednesday directed the Delhi Jal Board to work on checking water contamination, besides increasing the overall water supply in the Capital to 1,060 million gallons per day (MGD) over the next six months, officials aware of the matter said.

A government spokesperson said that several factors contributing to water contamination have been identified, including outdated water treatment plants, damaged pipelines, presence of nitrates or ammonia in some areas and overflow of sewage lines. "Instructions have been given to modernise these facilities to ensure optimal water quality," the official said, requesting anonymity.

At a DJB review meeting, Kejriwal directed to upgrade the four water treatment plants. "These plants currently suffer

from excessive turbidity and their upgrade is crucial to meet the quality standards," the official quoted above said. At present, DJB has four non-operational ammonia removal plants which will be operationalised within the next three months, according to officials.

To increase water supply from current 990 MGD, the CM asked DJB to install around 450 tubewells in Delhi over the next six months, for which he asked to expedite efforts to acquire land in required areas. A DJB official said DDA land has been identified and necessary permissions have been obtained to install tube wells at 450 locations. "In the first phase, the installation of 450 tubewells across various locations will result in a 70 MGD increase in water capacity within," the official said. Out of 990 MGD water supply during summers, DJB draws 126 MGD from sub-surface sources while the rest comes from Yamuna, Ganga and Bhakra Nangal.

## PWD APPROVES BEAUTIFICATION OF 16 ARTERIAL ROADS

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** The Public Works Department (PWD) on Wednesday approved strengthening and beautification projects at 16 arterial roads in the north-west and west Delhi areas of Sultanpuri, Mangolpuri, Paschim Vihar, and Jwalapuri. PWD minister Atishi said that the projects will improve the condition of roads and make them more durable.

These 16 roads and stretches under the package include Kanjhawala Road, Avantika Chowk, H Block road in Sultanpuri, Kala Mandir Cinema Road in Mangolpuri, Tank Road, B Block, G/F Block, B Block and G Block roads in Sultanpuri, Prem Sukh Road in west Delhi, R Block Jwalapuri to Guru Harikishan Nagar Sai Mandir road, Jwalapuri Road, Vindhyachal Apartments to Virat Cooperative Society road, Laxmi Narayan Marg, and Saint Mark's School to DDA Market road.



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

## PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, THURSDAY, MAY 18, 2023

NAME \_\_\_\_\_

### Forest dept flags violations at Smriti Van in Vasant Kunj

**EXPRESS NEWS SERVICE**  
NEW DELHI, MAY 17

IN A submission made to the National Green Tribunal (NGT), the principal chief conservator of forests (PCCF) of the Delhi forest department has flagged activities that "appeared to be in violation of the Forest (Conservation) Act, 1980" at Smriti Van in Vasant Kunj, an area that is part of the south-central ridge and is notified as reserve forest.

Smriti Van is being maintained by the Delhi Development Authority (DDA).

The violations listed include a permanent structure constructed and used during Chhath Puja, a water body spread over 5 acres being used for discharge of wastewater from residential areas, a sewage treatment plant for the construction of which "no prior approval was obtained from central government", a concrete base used for a gazebo "without prior approval", cemented bases for electric poles, a samadhi sthal, a water pond made of concrete, interlocking tiles and paver stones on walking tracks, and an open



Paver stones on walking tracks were also included in the list of violations. Photo from the submission made to NGT

gym and benches.

An NGT order issued in September last year had sought a response from the forest department, in a case in which the applicant had said Smriti Van was being used in unauthorised manner.

The area was then inspected by the south forest division in December last year, when the violations were found, according to the submission made by the PCCF.

After the inspection, the deputy conservator of forests (south division) had issued a notice to the DDA in December last year. In response, the DDA had in-

formed that the Smriti Van park is being maintained as per a landscape plan since 1992, "which allowed essential civil and electrical work" and public amenities were "installed only for public convenience." The DDA had also informed the department that the STP had been installed by the Delhi Jal Board and a no-objection certificate was given by the DDA, on the condition that approvals were to be taken by the DJB from the forest department. The PCCF's submission states a copy of NOC has not been provided by DDA.

A meeting was held by the forest department with DDA in February 2023, and DDA representatives had said treated water from STP will be used for "greening" of south-central ridge and is "hence to be treated as forestry activity." The DDA's representative had agreed to remove interlocking tiles and not use any cement. However, an inspection this month found that structures were the same. The forest department has issued a notice Tuesday to the DDA to provide a brief on the landscape plan "so that extent of violation under Forest (Conservation) Act, 1980, can be determined."

### To prevent waterlogging, all sewer lines in capital to be cleaned in next 5 yrs: CM

**EXPRESS NEWS SERVICE**  
NEW DELHI, MAY 17

ALL SEWER lines in Delhi will be cleaned in five years to prevent outflows and waterlogging, according to Chief Minister Arvind Kejriwal.

In a meeting with Delhi Jal Board (DJB) officials, Kejriwal reviewed a plan Wednesday to clean the sewer system in the city, which, according to a note from the CM's office, has never been done before. The cleaning is to be done in five phases in five years. The total length of sewer lines in Delhi is 9,000 km.

All trunk sewer lines, which are main lines that receive sewage from multiple branches in the system, will be cleaned



Kejriwal reviewed a plan in this regard during a meeting with DJB officials, Wednesday

and desilted, and the desilting process is to be documented through video recordings, in addition to preparing a calendar to ensure regular cleaning cycles. While 20% of all trunk sewer lines will be cleaned each year, all sewer lines are to be cleaned at least once within five years.

According to the communication from the CM's office, "initially, the plan is to desilt 45 km of these sewer lines, with completion targeted for March 2024".

DJB officials have informed the CM that sewer outflows due to clogging of trunk lines also result in contamination of water.

To deal with the issue of contaminated water, Kejriwal has asked the DJB to frame an action plan. Instructions have also been issued to the DJB to modernise "outdated" water treatment plants to prevent contamination and ensure the removal of ammonia from drinking water. Four ammonia removal plants are expected to be operational in around two months.

High ammonia levels in the Yamuna at Wazirabad tend to disrupt water supply in the city.

Additional tubewells are also being installed to draw groundwater and ensure increased availability of raw water. In the first phase, 450 tube wells are being installed in six months to increase water availability by 70 MGD (million gallons per day), taking the total quantity of water produced in the city to 1,060 MGD.

Kejriwal has also asked the DJB to expedite the acquisition of DDA-owned land to facilitate the installation of these tubewells by October this year. Flow meters to prevent wastage of water are also to be installed at all primary and secondary underground reservoirs by June 1.



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER नई दिल्ली | बृहस्पतिवार • 18 मई • 2023

राष्ट्रीय  
सहारा

## नल से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करे दिजबो : सीएम

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

राजधानी के लोगों को मिल रहे गंदे पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आखिर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को दिल्ली जल बोर्ड से प्लान बनाकर देने को कहा है। उन्होंने दिजबो के अधिकारियों से कहा है कि वह नल से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

उन्होंने मौजूदा सभी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स का आधुनिकीकरण करने को कहा है। जिन क्षेत्रों में अमोनिया, नाइट्रेट एवं आयरन की वजह से गंदे पानी की समस्या है, उसे रिमूव किया जाए। पाइप लाइन बदलने की जरूरत है, तो नई पाइप लाइन डाली जाए। सीएम ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर इस समस्या के समाधान पर जोर दिया। बैठक में जल मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं विभाग के अधिकारी मौजूद थे। हालांकि राजधानी में गंदे पानी की समस्या काफी पुरानी है और सरकार भी कुछ कर नहीं पा रही है। गर्मी के मौसम में अक्सर गंदे पानी की समस्या विकराल हो जाती है।

■ मुख्यमंत्री ने दिजबो से मांगा स्थाई समाधान का प्लान

■ गंदे पानी की समस्या पर सरकार ने दिखाई गंभीरता

■ जल से अमोनिया, नाइट्रेट एवं आयरन को साफ करे दिजबो : केजरीवाल

■ मुख्यमंत्री ने कहा, 400 नए ट्यूबवैल लगाने एवं पुराने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को अपडेट करे दिजबो

गंदे पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री ने दिजबो के अधिकारियों से कहा है कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाए। मुख्यमंत्री का दावा है कि गंदे पानी की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर सरकार गंभीर है। इसी के मद्देनजर बीते कुछ महीनों से सरकार लगातार बैठकें कर रही है। मुख्यमंत्री दिजबो के अधिकारियों के नियमित रिपोर्ट भी ले रहे हैं।

बुधवार की बैठक का प्रमुख एजेंडा गंदे पानी से निजात दिलाना था। मुख्यमंत्री ने नियमित रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों शुद्ध पेयजल पर फोकस करने के कहा। सीएम ने कहा कि दिल्ली में चार जगहों पर फिल्टर अपडेट होना है, जिसे तत्काल अपडेट किया जाए। चार पुराने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स हैं, उन्हें अत्याधुनिक तकनीक से बदला जाए।

मुख्यमंत्री ने नए ट्यूबवैल लगाने का काम तेज करने को कहा है। जिससे जनवरी-फरवरी महीने में ट्यूबवैल डाउन न हों। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नए ट्यूबवैल लगाने के लिए डीडिए से जमीन मिलने पर सहमति बन रही और 400 स्थानों पर नए ट्यूबवैल लगाने की मंजूरी भी मिल गई है। उन्होंने कहा कि सभी ट्यूबवैल हाईटेक तकनीक से लैस हों और आरओ प्लांट लगाए जाएं। इतनी संख्या में नए ट्यूबवैल लगने से करीब 70 एमजीडी पानी की क्षमता बढ़ सकती है। यह ट्यूबवैल लगने के बाद पानी की उपलब्धता तेजी बढ़ेगी। बैठक में सीएम ने ट्रीटेड पानी का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। दिजबो के अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश जगह फ्लो मीटर लग चुके हैं।



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS

पंजाब केसरी  
DELHI

18 मई, 2023 ▶ गुरुवार

गंदे पानी की समस्या को खत्म करने के लिए जलबोर्ड प्लान बनाकर पेश करे: केजरीवाल

## ‘टोंटी से मुंह लगाकर पीने लायक बनाएं पानी’

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के लोग जल्द ही टोंटी से मुंह लगाकर साफ पानी पी सकेंगे। सीएम केजरीवाल ने दिल्ली जलबोर्ड को गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या का स्थायी निदान करने के सख्त निर्देश दिए। सीएम ने बुधवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। जिसमें जलमंत्री सौरभ भारद्वाज और जलबोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में दिल्ली की जनता को गंदे पानी की समस्या से मुक्ति दिलाने पर लंबी चर्चा हुई। साथ ही दिल्ली में जलापूर्ति क्षमता बढ़ाने को लेकर चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की भी गई।

सीएम ने कहा कि दिल्ली में गंदे पानी की समस्या पूरी तरह से खत्म करनी है। इसके लिए जलबोर्ड को एक प्लान बनाकर सौंपे। जिन इलाकों में गंदे पानी की शिकायत आ रही है, उनको चिह्नित कर इसके कारणों का पता लगाने और उस पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। सीएम ने कहा कि गंदे पाने के कई कारण हैं। कई वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स पुराने हैं, जिनको आधुनिक करने का



समीक्षा बैठक करते सीएम अरविंद केजरीवाल व साथ में सौरभ भारद्वाज।

निर्देश दिया गया है। जहां अमोनिया, नाइट्रेट या आयरन जैसे पदार्थों की वजह से गंदे पानी आने की समस्या है, वहां पानी का इन सीडू ट्रीटमेंट किया जाएगा। इसके अलावा जहां पर सीवर लाइन की वजह से गंदे पानी आने की शिकायत है, वहां सीवर लाइन की डि-सिल्टिंग कर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ट्यूबवेल लगाने का काम तेजी किया जाए, जिससे कि जनवरी-फरवरी महीने में ट्यूबवेल्स डाउन न हों। ट्यूबवेल्स

लगाने के लिए डीडीए से प्राप्त जमीन देख ली गई है और 400 स्थानों पर ट्यूबवेल्स लगाने की मंजूरी मिल गई है। आगामी अक्टूबर तक ट्यूबवेल्स लगाने का कार्य पूरा कर लिया जाए।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि प्राइमरी और सेकेंडरी यूजीआर पर फ्लोमीटर लगाने का काम एक जून तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए, ताकि पानी की बर्बादी को रोका जा सके। इस पर काम शुरू हो चुका है। जलबोर्ड अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश फ्लोमीटर लग चुके हैं और शेष पर काम चल रहा है।

### सभी अमोनिया रिमूवल प्लांट को चालू करें...

सीएम केजरीवाल ने कहा कि अमोनिया की वजह से भी दिल्ली के घरों में गंदे पानी पहुंचता है। इसलिए अमोनिया की समस्या को समाप्त करने के लिए अमोनिया रिमूवल प्लांट लगाए जा रहे हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी अमोनिया रिमूवल प्लांट को अगले दो से ढाई महीने के अंदर चालू कर लिया जाएगा।

### ट्रीटेड पानी का उपयोग झीलों में होना चाहिए...

सीएम केजरीवाल ने ट्रीटेड पानी के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए कहा कि दिल्ली में जितनी झीलें बन रही हैं, उनके कार्य में तेजी लाई जाए और जहां पर झीलें बना सकते हैं, वहां भी बनाने की प्रक्रिया तेज की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश ट्रीटेड पानी का इस्तेमाल इन झीलों में किया जाए। यमुना में वही पानी छोड़ा जाए जिसका बिल्कुल इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

millenniumpost

NEW DELHI | THURSDAY, 18 MAY, 2023

## PWD min Atishi approves repair, maintenance of 16 main city roads

### OUR CORRESPONDENT

**NEW DELHI:** Public Works Department (PWD) Minister Atishi has approved repairs and maintenance of 16 major city roads to make them more durable as well as improve their ride quality.

This project will improve the condition of roads in north-west and west Delhi, and it will be done in a time-bound manner to ensure commuters do not face inconvenience, the minister said.

These roads include Kanjhawala Road, Road No. 316 and Road No. A-2 from Avantika Chowk to Pole Star School,

H-Block Road in Sultanpur and Kala Mandir Cinema Road in Mangolpuri.

Tank Road, B-Block Road, G/F Block Road, B-Block Road and G-Block Road in Sultanpuri, Prem Sukh Road in West Delhi, R-Block Jwalapuri to Guru Harikishan Nagar Sai Mandir Road, 60 Ft Road in Jwalapuri, Capital Plaza Market to Jahaj Apartments Road, Vindhychal Apartments to Virat Cooperative Society Road, Laxmi Narayan Marg, and Saint Mark's School to DDA Market Road are also being covered by the project.

The government is working

in a planned manner to identify and address issues that affect the condition of roads, Atishi said.

This project utilises modern techniques and assessment by experts, and repairs and strengthening will ensure that these roads can withstand heavy traffic and any weather condition, she said.

The minister said the Delhi government is working in a systematic manner to improve the condition of these roads.

The focus is on their upkeep as they were constructed a long time ago and now require maintenance, she said.